

Roll No. ....

Total Pages : 8

**BCE/M-21**

**26251**

**FINANCIAL ACCOUNTING-II**

**Paper-BC-201**

Time : Three Hours]

[Maximum Marks : 80

**Note :** Attempt *five* questions. Q. No. 1 is compulsory.

**नोट :** पाँच प्रश्न करें। प्रथम प्रश्न अनिवार्य है।

**1. Compulsory Question ( अनिवार्य प्रश्न )**

Explain following :

- (a) Various types of branches.
- (b) Difference between hire purchase and purchases.
- (c) Accounting treatment of interest on drawings.
- (d) Calculation of sacrificing ratio.
- (e) Joint life insurance policy. (4×5=20)

निम्न का वर्णन करें :

- (क) विभिन्न प्रकार की शाखाएं।
- (ख) किराया क्रय और क्रय में भेद करें।
- (ग) आहरज पर ब्याज का लेखांकन।
- (घ) त्याग अनुपात की गणना।
- (ङ) संयुक्त जीवन बीमा पालिसी।

2. Journalise the transactions for debtors account with suitable examples under stock and debtors method of branch account.

15

शाखा खाते की स्टॉक एवं देनदार विधि के देनदार खाते के लेन-देन की प्रविष्टियों का उपयुक्त उदाहरणों के साथ वर्णन करें।

3. Define Goodwill. Discuss various types of Goodwill. Give journal entries for goodwill at the time of admission of a new partner into the partnership firm.

15

ख्याति की परिभाषा दें। इसके विभिन्न प्रकारों का उल्लेख करें। साझेदारी फर्म में एक नये साझेदार के प्रवेश पर ख्याति की प्रविष्टियों को करें।

4. Differentiate between :

(a) Fixed and fluctuating capital accounts.

(b) Revaluation account and memorandum revaluation account.

15

अन्तर करें :

(क) स्थायी एवं परिवर्तनशील पूंजी खाता।

(ख) पुनर्मूल्यांकन खाता एवं मैमोरेण्डम पुनर्मूल्यांकन खाता।

5. On 1st January, 2018, A Ltd. purchased 4 cars from B Ltd. on hire-purchase system. The total cash price of all the four cars was ₹ 7,15,000. The payment was to be made ₹ 2,00,000 on signing of the agreement and the balance in three equal instalments of ₹ 2,00,000 each at the end of each year. B Ltd. charges interest @ of 8% p.a. A Ltd. writes off 10% as depreciation on the reducing instalment method.

A Ltd. could not pay the instalment due on 31st December, 2019 and seller took possession of all the four cars. Prepare Ledger accounts in the books of A Ltd. 15

1 जनवरी, 2018 को A लिमिटेड ने B लिमिटेड से 4 कारों किराया क्रय पद्धति पर खरीदीं। चारों कारों का कुल नकद मूल्य ₹ 7,15,000 था। ₹ 2,00,000 का भुगतान ठहराव पर हस्ताक्षर करते समय और शेष राशि प्रत्येक वर्ष के अन्त में ₹ 2,00,000 की तीन समान किश्तों में देनी थीं। B लिमिटेड 8% वार्षिक दर से ब्याज वसूल करती है। A लिमिटेड घटती हुई किश्त पद्धति पर 10% ह्रास अपलिखित करती है।

A लिमिटेड 31 दिसम्बर, 2019 को देय किश्त का भुगतान न कर सकी और विक्रेता ने चारों कारें वापिस ले लीं। A लिमिटेड की पुस्तकों में खाते बनाइए।

6. KT Ltd having its head office at Delhi, invoiced goods to its branch at Ludhiana, at 20% less than the list price which is cost plus 100%. The cash sales were to be made at invoice price and credit sales at the list price.

के.टी. लिमिटेड का मुख्य कार्यालय दिल्ली में है, जो अपनी लुधियाना शाखा को माल भेजती है, भेजने का मूल्य सूची मूल्य से 20% कम है जबकि सूची मूल्य लागत +100% है। नकद बिक्री को बीजक मूल्य पर और उधार बिक्री को सूची मूल्य पर करना है।

₹

Stock at invoice price on 1-1-2019	60,000
(बीजक मूल्य पर रहतिया)	
Debtors (देनदार) on 1-1-2019	50,000
Goods received from H.D. at invoice price	6,60,000
(मुख्य कार्यालय से बीजक मूल्य पर माल प्राप्ति)	
Cash sales (नकद बिक्री)	2,30,000
Credit sales (उधार बिक्री)	5,00,000
Cash received from Debtors	4,60,000
(देनदारों से प्राप्त रोकड़)	
Branch expenses (शाखा के व्यय)	85,000
Remittances to H.O. (मुख्य कार्यालय को रोकड़)	6,00,000
Stock at invoice price on 31st December, 2019	88,000
(बीजक मूल्य पर अन्तिम रहतिया)	

From the above particulars, prepare Branch Stock account, Branch Adjustment account, Branch Debtors account and Branch P/L A/c for the year ending 31st December, 2019.

15

ऊपर लिखित विवरणों से शाखा स्टॉक खाता, शाखा समायोजन खाता, शाखा देनदार खाता और शाखा लाभ हानि खाता बनाएं, 31 दिसम्बर, 2019 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए।

7. The following in the Balance sheet of A, B and C who were equal partners :

ए, बी, और सी समान साझेदारों का निम्न स्थिति विवरण है :

Balance Sheet  
as on 31st December, 2019

Liabilities	Amt (₹)	Assets	Amt (₹)
Capital (पूजी) A	1,68,000	Building (भवन)	1,95,000
B	1,26,000	Furniture (फर्नीचर)	24,000
C	60,000	Stock (स्कन्ध)	1,14,000
Creditors (लेनदार)	60,000	Debtors	1,16,000
B/P (देय बिल)	33,000	Provision	8,000
General Reserve	70,000	Cash (नकद)	66,000
(साधारण संचय)			
Employees savings	30,000	Bank (बैंक)	40,000
(कर्मचारियों की बचतें)			
	5,47,000		5,47,000

They agreed to take D into firm for 1/4th share on 1st January, 2020 on following terms :

वे D को फर्म में 1/4 हिस्से के लिए 1 जनवरी, 2020 को लेने को तैयार हुए निम्न शर्तों पर :

- (i) That D will bring in ₹ 90,000 for goodwill and ₹ 1,50,000 as capital.

D ₹ 90,000 की ख्याति और पूजी ₹ 1,50,000 लायेगा।

- (ii) That 1/2 of goodwill shall be withdrawn by old partners.

पुराने साझेदार आधी ख्याति का आहरण करेंगे।

(iii) That stock and furniture be valued at 90%.

स्टॉक एवं फर्नीचर की कीमत 90% आंकी गई।

(iv) Building was valued at 120%.

भवन का मूल्यांकन 120% पर हुआ।

(v) Provision for Doubtful debts is of ₹ 16,000 in all.

संदिग्ध देनदार का आयोजन ₹ 16,000 था।

(vi) A liability of ₹ 10,000 be created for bills discounted.

15

₹ 10,000 का दायित्व भुनाये गये बिलों के लिए बनाना है।

Prepare necessary accounts and new balance sheet.

आवश्यक खाते और नई स्थिति विवरण को बनाएं।

8. X, Y and Z were carrying on business with the following assets with effect from 1-1-2019 : furniture ₹ 1,80,000; machinery ₹ 7,20,000; cash ₹ 1,00,000; debtors ₹ 2,00,000 and liabilities nil. Their profit sharing ratio was 5 : 3 : 2. Capital was also in the same ratio. Y died on 30th June, 2019. His son claimed his interest in the firm.

एक्स, वाई और जेड एक व्यवसाय में 1-1-2019 से निम्न सम्पत्तियों के साथ साझेदार थे: फर्नीचर ₹ 1,80,000; मशीनरी ₹ 7,20,000; नकदी ₹ 1,00,000; देनदार ₹ 2,00,000 और शून्य दायित्व। लाभ विभाजन अनुपात 5 : 3 : 2 था। पूंजी का अनुपात भी यही था। वाई की 30 जून, 2019 को मृत्यु हो गई। उसके बेटे ने फर्म में अपना हित मांगा।

(i) Interest on capital @ 5% p.a. upto date of death.

पूंजी पर 5% प्रति वर्ष की दर से मृत्यु तिथि तक ब्याज।

(ii) He was drawing @ ₹ 6,000 per month at the beginning of each month. He was allowed to retain those drawing as his share of profit.

वह हर महीने के शुरू में ₹ 6,000 की दर से आहरण कर रहा था। ये उसका लाभ में हिस्सा मान लिया गया।

(iii) Interest on drawings in to be charged @ 6% p.a.

आहरण पर 6% प्रतिवर्ष की दर से ब्याज होगा।

(iv) They had separate life policies for which premium had been paid by the firm : X ₹ 5,00,000; Y ₹ 6,00,000 and Z ₹ 3,00,000. Surrender value for X's policy was 50% and Z's policy was 40%.

उनकी व्यक्तिगत जीवन बीमा की पालिसी थी जिनका प्रीमियम फर्म देती थी। एक्स की पालिसी ₹ 5,00,000; वाई की ₹ 6,00,000 और जेड की ₹ 3,00,000 थी। एक्स की पालिसी का समर्पण मूल्य 50% था जबकि जेड की पालिसी का 40% था।

(v) Goodwill was valued twice of the average profits which were ₹ 36,000.

ख्याति का मूल्यांकन औसत लाभों का दो गुणा था जो कि ₹ 36,000 थे।

Prepare Y's legal representative account.

Y के कानूनी उत्तराधिकारी का खाता बनाएं।

9. PQR started a firm business on 1-1-2019 and sharing ratio was 3 : 2 : 1. Their capital was ₹ 6,00,000; ₹ 4,00,000 and ₹ 3,00,000 respectively. The partnership provided for interest on capital @ 10% p.a. During 2019 firm earned a profit of ₹ 3,00,000 (before providing interest on capital). The drawings during the year were P ₹ 1,00,000; Q ₹ 1,20,000 and R ₹ 80,000.

They dissolved the firm on 31 December, 2019. The assets realised ₹ 15,00,000 and Cash in hand was ₹ 1,50,000. Creditors were of ₹ 4,20,000 which were paid off ₹ 3,72,000. Prepare necessary account to close the books of the firm.

15

पी, क्यू, आर ने 1-1-2019 को फर्म का व्यवसाय शुरू किया और लाभ विभाजन अनुपात 3 : 2 : 1 था। उनकी पूंजी ₹ 6,00,000; ₹ 4,00,000 और ₹ 3,00,000 क्रमशः थी। सांझेदारी के अनुसार पूंजी पर ब्याज 10% प्रति वर्ष था। 2019 वर्ष के दौरान फर्म ने पूंजी पर ब्याज देने से पहले के ₹ 3,00,000 लाभ कमाये। वर्ष के दौरान आहरण पी के ₹ 1,00,000; क्यू के ₹ 1,20,000 और आर के ₹ 80,000 थे।

31 दिसम्बर, 2019 को उन्होंने फर्म को समाप्त कर दिया। सम्पत्तियाँ ₹ 15,00,000 की बिकी और नकदी ₹ 1,50,000 थी। लेनदार ₹ 4,20,000 के थे जिनको ₹ 3,72,000 दिये। आवश्यक खाते बनाएँ जिससे फर्म बन्द हो सके।